अंतर्गत किए गए वार्षिक आवंटनों तथा 1985-86 से किए गए व्यय के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—

(लाख रु० में)

वर्ष	अनुमोदित परिव्यय	वास्तविक व्यय
1985-86	5049.00	2750
1986-87	5015.00	3246.15
1987-88	22000.00	21492.00
1988-89	25440.00	11738.90

(17.2.1989 तक की यथास्थिति के अनुसार)

दिल्ली में यमुना के ऊपर पुल का निर्माण

115. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में अन्तर्राज्यीय बस अड्डे के निकट यमुना पर बन रहे पुल को जनवरी, 1989 तक पूरा नहीं किया जा सका है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इसके निर्माण कार्य को पूरा किये जाने की लक्ष्य तारीख को अनेक बार निर्धारित कर उसकी घोषणा की गई थी;

(ग) यदि हां, तो निर्धारित की गयी लक्ष्य तारीखें क्या-क्या थी; और

(घ) इस पुल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अब कौन सी लक्ष्य तारीख निर्धारित की गयी है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) समापन की मूल तिथि दिसम्बर, 1987 के मुकाबले संशोधित लक्ष्य तिथि सिर्फ एक बार दिसम्बर, 1988 घोषित की गई थी।

(घ) जून, 1991।

सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच तीव्रगामी रेलगाड़ी

116. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राजस्थान में व सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच अत्यधिक यातायात को देखते हुए इन स्थानों पर जल्दी ही कोई तीव्रगामी रेलगाड़ी आरम्भ की जा रही है, यदि हां, तो कब तक, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(ख) क्या सवाई माधोपुर और जयपुर के बीच छोटी लाइनों तथा राजस्थान में जयपुर से आगे अन्य स्थानों पर भी बम्बई और उससे आगे से फ्रंटियर मेल, डीलक्स, देहरादून एक्सप्रेस रेल गाड़ियों से, जो बड़ी लाइन पर चलती हैं, वातानुकूलित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन स्थानों के बीच चलने वाली रेल गाड़ियों में वातानुकूलित डिब्बे जोड़ने का प्रस्ताव है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सवाई माधोपुर से चलने वाली छोटी लाइन की गाड़ियों में प्रथम श्रेणी के डिब्बों के रूप में अत्यधिक घटिया किस्म के डिब्बे जोड़े जाने के क्या कारण हैं, और इन डिब्बों में कंडक्टर भी नहीं होते हैं, क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई सुधार करने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महाबीर प्रसाद): (क) जी नहीं। मीटर आमान की इस शाखा लाइन पर है।

(ख) जी नहीं। वातानुकूल सवारी डिब्बों की सीमित उपलब्धता तथा उन्हें धीमी गति की गाड़ियों के साथ चलने में अनुभव की जाने वाली तकनीकी कठिनाइयों के कारण उन्हें नहीं चलाया जा सकता।

(ग) मीटर आमान वाले पहले दरजे के केवल उन्हीं सवारी डिब्बों को गाड़ी के साथ चलाया जाता है जो सुख सुविधाओं के मानक के अनुरूप होते है। लेकिन कुछ मामलों में गुण्डा गर्दी, कर चोरी और चोरी के कारण स्थिति असंतोषजनक हो जाती है। ऐसे मामलों में प्राथमिक/गौण अनुरक्षण के दौरान कमियों को तत्परता से दूर किया जाता है। कुछ गाड़ियों के साथ कंडक्टर चलते हैं लेकिन कुछ गाड़ियों में जिनमें कंडक्टर नहीं होते वहां डिब्बा परिचरों द्वारा काम देखा जाता है जो कि गाड़ी के गार्ड/चल टिकट परीक्षक के पर्यवेक्षण में काम करते हैं।

सवाई माधोपुर और अजमेर के लिए वायु सेवाएं

117. **डा० अबरार अहमद खानः** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किसी स्थान विशेष के लिए वायुदूत सेवा आरंभ करते समय उस स्थान की ऐतिहासिक और धार्मिक पृष्ठभूमि, उसके प्राकृतिक सौंदर्य और वहां आने वाले पर्यटकों की संख्या को ध्यान में रखा जाता है; यदि हां, तो सवाई माधोपुर और अजमेर के लिए कोई वायु सेवा आरंभ न करने के क्या कारण हैं;

(ख) इन स्थानों को कब तक वायु सेवा से जोड़ दिये जाने का विचार है;

(ग) क्या राजस्थान में जल्दी ही जयपुर, जोधपुर और उदयपुर के हवाई अड्डों का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सांगानेर हवाई अड्डे को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में बदले जाने का कोई प्रस्ताव है; यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) और (ख) वायुदूत द्वारा विमान सेवा से जोड़ने के लिए नए स्टेशन चुनने के लिए नीचे दिए गए मानदण्ड अपनाए जाते हैं:—

(1) प्रचालनों की आर्थिक साध्यता;
(2) भौगोलिक क्षेत्र;
(3) पर्यटन और औद्योगिक संभावना;
(4) आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता;
(5) प्रमुख मार्गों पर सेवाओं की मांग पूरी करने की क्षमता; और
(6) नए स्टेशनों का बेस स्टेशन सम्बन्धी।

अजमेर में फिलहाल प्रचालनात्मक विमानक्षेत्र नहीं है। अधिकतम अनुमेय गति केवल 65 कि०मी० प्रति घंटे की है। हवाई अड्डे को प्रचालनात्मक बनाने के बाद ही वायुदूत अजमेर को विमान सेवा से जोड़ने पर विचार कर सकेगा बशर्ते, विमान क्षमता उपलब्ध हो और प्रचालन करना व्यवहार्य हो।

सवाई माधोपुर को निकट भविष्य में विमान सेवा से जोड़ने की वायुदूत की कोई योजना नहीं है।

(ग) जी, हां।

(घ) दिल्ली स्थित अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सांगानेर हवाई अड्डे के बहुत निकट है। अतः दिल्ली स्थित अन्तर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा सांगानेर हवाई अड्डे के विमान यात्रियों को पर्याप्त रूप से सेवा उपलब्ध कराता है।

Recommendations of the Ela R. Bhal Committee

118. SHRI YASHWANT SINHA:
SHRI M.S. GURUPADASWAMY:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to refer to answer to Unstarred Question 1003 given in the Rajya Sabha on 3rd August, 1988 and state:

(a) whether Government have since considered the recommendations of the National Commission on Self-employed Women and Women in the Informal Sector headed by Shrimati Ela R. Bhat; and

(b) if, so, what are the details of steps taken to provide adequate assistance to self employed women?